सच्ची बात

TRUE FACTS

भाग-2

कृतिकार-

प.पू. उच्चारणाचार्य 108 श्री विनम्रसागर जी महामुनिराज

सच्ची बात
TRUE FACTS

भाग-2

कृतिकार-

प.पू. उच्चारणाचार्य 108 श्री विनम्रसागर जी महामुनिराज

सच्ची बात

TRUE FACTS

भाग-2

तीर्थ वंदना विशेषांक

आशीर्वाद

प.पू. गणाचार्य 108 श्री विरागसागर जी महामुनिराज

कृतिकार

प.पू. सिद्धान्तज्ञ उच्चारणाचार्य 108 श्री विनम्रसागर जी महामुनिराज

प्रेरणा

श्रमणी आर्यिका 105 विमलश्री माताजी

संकलन व अंग्रेजी अनुवाद

बा.ब्र. श्रिया (प्राची) दीदी

संस्करण

प्रथम संस्करण-2021, 1100 प्रतियाँ

पावन प्रसंग

12वें आचार्य पदारोहण दिवस के अवसर पर

प्राप्ति स्थान

समता तीर्थ धाम, सीपुर मो. 9828613614

देवेन्द्र जैन, बीना (म.प्र.) मो. 7580223344

निर्ग्रन्थ श्रमण सेवा समिति, भिण्ड मो. 9425127061

प्रकाशन

वीतराग श्रमण श्रुत संवर्धन ट्रस्ट, भिण्ड

मो. 9826801542

मुद्रक : ज्योति ग्राफिक्स, जयपुर

मो. 8290526049, 8619727900 jyotigraphics84@gmail.com

विनम्र देशना चैनल You Tube Subscribe

Shankar Bhaiya Vinamra Deshna Parivar M.: 7999877637, 9414426947

जिनवाणी JINVANI विनम्रवाणी

शुभाशीष वचन

जीवन है पानी की बूँद के 7000 छंद के रचयिता।
परम पूज्य उच्चारणाचार्य श्री विनम्रसागर जी महामुनिराज

मोक्षमार्ग को प्रदर्शित करने वाले भव्याम्बुजों को अपनी दिव्यवाणी से विकसित करने वाले मात्र तीर्थंकर देव हैं। अर्थात् प्राणीमात्र के कल्याण की भावना द्वारा जिन्होने सर्वोत्कृष्ट परमात्म पद को प्राप्त किया है। वे ही मुख्य रूप से प्रवचन के अधिकारी हुआ करते हैं। पश्चात् गणधरदेव प्रवचन के उत्तराधिकारी हुआ करते हैं। सम्प्रति वर्तमान में पुण्याभाव व काल के प्रभाव से साक्षात् तीर्थंकर देव की दिव्यध्वनि पियूषवाणी श्रवण करने का सौभाग्य नहीं और गणधरदेव का भी सान्निध्य न होने से उनकी वाणी का रसपान भी नहीं कर पा रहे हैं। इन दोनों के अभाव में जिनवाणी को प्रसारित करने का उत्तराधिकारी आचार्य परमेष्ठी को बनाया गया। जिन्होंने परम्परा से प्रसारित जिनेन्द्र प्रभु की वाणी को स्वशक्ति व क्षयोपशम के द्वारा प्रवाहित किया उन्हीं पूर्वाचार्यों की परम्परा को प्रवाह प्रदान करने का कार्य गुरु आज्ञा व आशीष से हमें करना पड़ता है।

कहते हैं महान बनने के लिए किसी को हटाने की, मिटाने की, वश करने की आवश्यकता नहीं, बल्कि अपने को बढाने की आवश्यकता है। इसके लिए सम्यक्त्व धारणा करना सर्वप्रथम परम आवश्यक है। सम्यक्त्वपूर्वक ज्ञान ही कार्यकारी होता है। धर्म का एक अंश एक **सच्ची बात** भी जीवन का काया-कल्प करने में समर्थ है। जिस प्रकार सूर्य की एक किरण विश्व में व्याप्त अंधकार को नष्ट करने में समर्थ है, अग्नि की एक चिंगारी घास के ढेर को भस्म करने में समर्थ है, और अमृत की एक बूँद समस्त व्याधियों का उपशमन करने में समर्थ है और कल्पवृक्ष

छोटा हो या बड़ा, मन की मुराद तो पूरी करेगा ही। उसी प्रकार प्रवचन पाँच पृष्ठों पर लिखा हो या सार एक पृष्ठ पर लेकिन यदि उसमें सत्यता का तेज है तो वह जीवन में धन्यता लाएगा ही।

श्रुतज्ञान की परम्परा को भविष्य के लिए वृद्धिंगत करने में मनीषियों, महापुरुषों, आचार्यों तथा अन्यों के बेजोड़ योगदान से हर प्रकार के ज्ञान के द्वारा सत्साहित्य का प्रतिपादन होता रहा है। गुरु कृपा से माँ जिनवाणी को जन-सामान्य के बीच प्रसारित करने का कार्यभार मुझे सौंपा गया। सभाओं को सम्बोधित करते समय वीर प्रभु के मुख कमल से नि:सृत शब्द वर्गणाओं, गौतमादि गणधर देवों के द्वारा प्रदत्त वाणी व पूर्वाचार्यों के द्वारा लिपि बद्धित शास्त्रों के वाचन के समय चिंतन की गहराइयों में जाकर सम्बोधन के समय जो वाक्य कहे उन वाक्यों को बा.ब्र. श्रिया (प्राची) दीदी ने संकलन किया। हम तो प्रवचन करके आ जाते हैं और ये लोग लिख लेते हैं। दीदी ने उन प्रिय वचनों में से सारभूत बातें, **सच्ची बातें** जो जीवन को सत्यार्थ रूप देने वाले वचनों के बाग से निकले कुछ पुष्प संजोकर उन्हें अंग्रेजी भाषा में अनुवादित कर उन पुष्पों का गुलदश्ता बनाकर आप सभी के समक्ष **"सच्ची बात- True Facts"** के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया। जिससे उन सत्यार्थ बोधक पुष्पों की सुवास आप तक पहुँचे और आपका जीवन सुवासित हो सके। आचार्य भगवन् कहते हैं **सम्यक्त्वाद् दुर्गतेनाश:** सम्यग्दर्शन से दुर्गति का नाश होता है, निर्दोश ज्ञान से कीर्ति प्राप्त होती है, चारित्र से लोक में पूज्यता मिलती है और मोक्ष इन तीनों की सफलता से प्राप्त होता है। अत: दीदी के लिए हमारा खूब-खूब आशीर्वाद है। वह अपनी साधना, ज्ञान, अध्ययन को आगे बढ़ायें। कल्याणकारी जैनेश्वरी दीक्षा धारण कर अपनी इस स्त्री पर्याय का छेदन कर अपने मूल लक्ष्य को प्राप्त करें। दीदी का यह प्रयास जन-जन के लिए लाभकारी हो और सदैव वीतराग शासन जयवंत हो।

शुभाशीष
आचार्य विनम्रसागर

एक नजर कृतिकार पर

जो अट्ठाइस मूलगुणों का पालन करते हुए आत्म साधना में लीन रहते हैं। पाँच महाव्रत, पाँच समिति, पंचेन्द्रिय विजय, छह आवश्यक अस्नान, अदन्त धावन, कैश लौंच करना, पृथ्वी पर सोना, कर पात्र में आहार, खड़े होकर आहार लेना, दिन में एक ही बार आहार जलादि ग्रहण करना। इस प्रकार ये सात शेष मूलगुण होते हैं। जिनका यतीश्वर पालन करते हैं। सभी जीवों में मैत्री भाव रखते हैं। इस प्रकार साधुओं का जीवन उनकी चर्या विलक्षण व महान होती है। संसार में इससे बढ़कर त्याग व आचरण अन्यत्र कहीं नहीं पाया जा सकता, ये तो मात्र साधु परमेष्ठी के मूलगुण हैं। अब आचार्य परमेष्ठी के छत्तीस मूलगुण हुआ करते है, जिन्हें वे पालन करते हैं। उन्हीं संत भगवंतों की शृंखला में हमारे पूज्य गुरुदेव उच्चारणाचार्य 108 श्री विनम्रसागर जी महामुनिराज हैं। उच्चारणाचार्य का अर्थ होता है जिनका आचरण सभी मुनियों में उच्च हो उन्हें उच्चारणाचार्य कहते हैं अथवा जिनका शब्द उच्चारण सर्वश्रेष्ठ होता है उन्हें उच्चारणाचार्य कहते हैं।

पूज्य गुरुवर में ये दोनों ही विशेषताएँ हैं। उनका आचरण भी उच्च है और शब्दोच्चारण भी श्रेष्ठ है। इसलिए मनीषियों श्रेष्ठियों ने उन्हें उच्चारणाचार्य की उपाधि से विभूषित किया। उच्च शिक्षा प्राप्त कर जहाँ आज का युवा भोगों की और दौड़ता हैं वही हमारे पूज्य गुरुदेव एम.कॉम. डिस्ट्रिक टॉप करने के बाद योग की ओर दौड़ पड़े। हर व्यक्ति कोई न कोई खोज में रहता है मगर हमारे गुरुदेव आत्मानंद (परमानंद) की खोज में जुटे रहते हैं। अध्यात्म के गूढ़ रहस्यों का उद्घाटन करते हुए निरंतर प्राकृत, संस्कृत, हिन्दी के काव्यों की रचना किया करते हैं इसीलिए अध्यात्म ग्रंथों पर 7000 छंदों की रचना स्वत: हो जाती है। पूज्य गुरुदेव में अनंतों गुण हैं जिनका व्याख्यान करते-करते अंत नहीं पा सकते वे वात्सल्य के धनी पूज्य गुरुदेव इस धरा को पवित्र कर रहे हैं उनके श्रीचरणों में कोटिश: नमोऽस्तु...

-गुरु चरण चंचरीक
श्रमण मुनि विज्ञसागर

।। श्री गुरवे नमः ।।

शुद्धात्मान्वेषियों ने चिरकाल से स्वात्माश्रय की निर्मल साधना के द्वारा व श्रुत उपासना द्वारा निज ज्ञान से श्रमण संस्कृति को सुसज्जित किया है। स्वज्ञान व क्षयोपशम से प्राप्त जिनवर देव के सर्वांग से निःसृत दिव्यध्वनि का रसपान कर परम्परा से गणधरादि पूर्वाचार्यों द्वारा प्रसारित ज्ञान गंगा को प्रवाहित कर भव्य जीवों को स्नपित कराय गया एवं मुक्ति पथ पर आरूढ़ कराया गया है।

उस ही जिनश्रुत परम्परा के आराधक, त्रिषष्टि गुणधारक, परम कल्याणकारी, विमल प्रतिमूर्ति, गुरु आज्ञानुवर्ती, यथा नाम तथागुण वैशिष्ट्य से सुशोभित, सिद्धान्तज्ञ, उच्चारण के धनी गुरुवर की वाणी जन-जन कल्याणी है। जो अध्यात्म के गूढ रहस्यों को उद्घाटित करती हुई आबालवृद्ध को संसार की असारता का दिग्दर्श कराती हुई युवा पीढ़ी की ज्वलंत शंकाओं का समाधान करती हुई काव्य रचनाओं द्वारा पूर्वाचार्यों की वाणी को जन सामान्य से साक्षात्कार कराने वाली है। जिनकी कलम ने ''जीवन है पानी की बूँद'' भजन के 7000 से अधिक छंदों की रचना कर एक कीर्तिमान स्थापित किया है, वहीं शताधिक भजन, गजल आदि की रचना कर साहित्य जगत में अमिट छाप बनायी है।

भव्य जीवों के सम्बोधन काल में प्रवाहित गुरुवाणी के कुछ अनमोल वाक्यों का संकलन कर संघस्थ बा.ब्र. श्रिया (प्राची) दीदी ने उन्ही वचनों को आंग्ल भाषा में रूपान्तरित कर उन वचनरूपी सुमनों का गुलदस्ता ''सच्ची बात'' भाग-2 के रूप में तैयार कर आप सभी सुधी आध्यात्मरसिक श्रमणोपसकों के समक्ष प्रस्तुत कर सर्वजगत को उन वचनों की सुरभि से सुवासित करने का उत्कृष्ट प्रयास किया है।

उनकी यह जिनश्रुत व गुरु भक्ति अक्षुण्ण बनी रहे श्रुतदेवी उन पर प्रसन्न बनी रहें यही मंगल कामना करते हैं।

अंत में गुरुवर के अनमोल वचनों से सुसज्जित यह पुस्तक ''सच्ची बात'' भाग-2 आप सभी में नव चेतना का सृजन करेगी। इन्हीं मंगल भावनाओं के साथ गुरुवर के 12वें आचार्य पदारोहण दिवस पर युगल पाद पद्मों में त्रय भक्ति पूर्वक कोटिशः नमोऽस्तु...

गुरु पाद पद्मानुरागी
श्रमणी आर्यिका विमलश्री माताजी

जीवन है पानी की बूँद के 5500 छंद के रचयिता
परम पूज्य उच्चारणाचार्य श्री विनम्रसागर जी महामुनिराज

पुण्यार्जक परिवार

श्री धर्मेन्द्र जी-श्रीमती संध्या जैन
सजल-दीपिका जैन, पर्व जैन एवं समस्त कुबेर परिवार
सिमकम्स डिस्ट्रीब्यूटर प्रा. लि., इन्दौर (म.प्र.)

“मिट्टी कलश नहीं बन पाती, पत्थर परमात्मा नहीं बन पाता, चावल भात नहीं बन पाते, आटा–रोटी नहीं बन पाता, सब्जी दाल भी खाने योग्य नहीं बन पाते यदि तपते नहीं ठीक वैसे ही तप के बिना आत्मा भी परमात्मा नहीं बन सकती।”

“Soil cannot automatically become an urn, a stone cannot automatically become an idol of god, raw rice cannot automatically become cooked rice, flour cannot automatically become bread, vegetables lentils are not edible until they are not heated. Similarly, a soul cannot become a God if not being created by the heat of austerity.”

"जो भाग्य के पीछे दौड़ते हैं उन्हें चंद टुकड़ों के साथ ये जहान मिलता है और जो भाग्य को पीछे छोड़ते हैं, उन्हें सुख और संयम के साथ भगवान मिलता है।"

"Those who run after luck get the world with a few pieces of wealth and those who leave the fate behind get not only pleasure but also God with restraint."

"काँटों पर चलने वाला व्यक्ति मंजिल पर जल्दी पहुँचता है, फूलों पर चलने वाला नहीं क्योंकि फूल व्यक्ति की गति को धीमा करते हैं और काँटे ही हैं जो चलने वाले की रफ्तार बढ़ा देते हैं।"

"A walker of thorns reaches the destination quickly, not a walker of flowers because flowers slow down a person, it is the thorns which increase the speed of the walker on them."

“सफेद मन के बनो काले मन के नहीं क्योंकि काले रंग पर कोई रंग नहीं चढ़ता किंतु सफेद रंग पर हर एक रंग चढ़ जाता है। अत: सबसे मिलने वाले बनो।”

“Be of white mind and not of black mind because no color goes on black color, however, any color goes on white color.”

"अपनी जमीं अपना आकाश
पैदा कर, अपना अलग इतिहास पैदाकर,
माँगने से कब जिंदगी मिला करती है,
अपने अंदर नया विश्वास पैदा कर।"

"Create your own land and create your own sky and thus create your own history,

By begging you do not get the life you want, create new faith in yourself."

"हमें लक्ष्य पाने की कोशिश पूरी ताकत से अंतिम साँस तक करना चाहिये। मंजिल मिले या ना भी मिले पर तजुर्बा तो मिल ही जायेगा।"

"We should try our best to achieve the goal till the last moment of our life, even if we do not get the destination, we will enjoy the fruits of experience."

"दिल मजबूत हो तो काँटों पर भी चला जा सकता है, कमजोर दिल हो तो मखमल पर भी नहीं चल सकते, जैसे जूता मजबूत हो तो कंकड़ों पर भी चला जा सकता है पर जूते में कंकड़ हो तो संगमरमर पर भी नहीं चला जा सकता।"

"If the heart is strong, one can walk on thorns; If it is weak, one cannot walk even on velvet. If the shoes are strong, one can walk on pebbles, however, if these pebbles are in the shoes, one cannot walk even on marble."

"हिमालय की तस्वीर लेने के लिए हमें कैमरा घुमाना पड़ता है पहाड़ नहीं, ठीक वैसे ही दुनियाँ को बदलने के लिए हमें खुद को बदलना पड़ता है दुनियाँ को नहीं।"

"To take the photograph of the Himalayas, we have to rotate our camera and not the mountain, however, to change the world, we have to change ourselves and not the world."

"यकीन के बिना हम एक कदम भी नहीं चल सकते और उम्मीद, उमंग के बिना सफल नहीं हो सकते यकीन व उम्मीद कार्य आसान नहीं सफल बनाते हैं।"

"Without faith we cannot move even a step ahead; we cannot get success without hope and enthusiasm. It is faith and hope that not only make our task easy but also make it successful."

"किसी पर गुस्सा करो तो जुबान से करना दिल से नहीं, किसी से प्रेम करो तो दिल से करना जुबान से नहीं क्योंकि धागा सुई से वही पार होता है जिसमें गाँठ न हो।"

"If you get angry with someone, get it with your tongue and not with your heart.If you love someone, love him with heart and not with the tongue because only the thread which has no knots threads in a needle."

भगवान
जन्मभूमि कुण्डलपुर

विश्वशांति तीर्थंकर महावीर मंदिर

"नजर व नसीब का अजीब इत्तफ़ाक है जो नसीब में होता है वो नजर नहीं आता और जो नजर को पसंद आता है वो नसीब में नहीं होता।"

"There is a strange coincidence of vision and luck; what is in the luck cannot be visioned and what isdear to the sight is not favoured by the luck."

"अच्छा बनने के बजाय सरल बनने का प्रयास करें, क्योंकि अच्छा सिर्फ आँखों तक पहुँच कर मन पर असर करता है, लेकिन सरल दिल तक पहुँचकर आत्मा पर असर करता है।"

"Instead of becoming good, try to become simple because good approaches mind only through eyes while simple impacts the soul through the heart."

"यदि आप मन के रास्ते पर चलते हैं, तो आप अकेले ही होंगे पर यदि आप ईश्वर के बताए रास्ते पर चलते हैं तो आपके साथ ईश्वर सदैव रहेगा।"

"If you follow the path shown by your mind, you will be alone, however, if you follow the path shown by the God, He will ever remain with you."

“जिन्दगी के जो सबक खाली पेट, खाली जेब और बुरा वक्त सिखाता है वो सबक कोई भी स्कूल या यूनिवर्सिटी नहीं सिखा सकते।”

“What lessons are taught by empty stomach, empty pocket and bad times, no school or university can teach.”

“धूल कितनी भी ऊँची उठे आसमान से ऊपर नहीं उठ सकती, झूठ कितना भी ऊपर उठे सत्य से ऊपर नहीं उठ सकता और इंसान कितना भी ऊँचा उठे भगवान से ऊपर नहीं उठ सकता।”

“No matter how high the dust rises, it can not rise above the sky, no matter how intense is the lie but it cannot be as intense as the truth. No matter how high a human rise but he cannot rise above the truth. No matter how high a human rise, he cannot rise above God.”

"कागज अपनी किस्मत से आकाश में उड़ता है लेकिन पतंग अपनी काबलियत से, किस्मत कभी साथ दे या न दे पर काबलियत हमेशा साथ जरूर देती है।"

"A paper flies in the wind with its luckbut a kite with its ability.Luck may or may not support you, but ability always supports you."

"बीते हुए कल को हम बदल नहीं सकते, सिर्फ समझ सकते हैं लेकिन आने वाले कल को हम समझ भी सकते हैं और बदल भी सकते हैं बीते हुए कल में सिर्फ पछतावा और अफसोस है और आने वाले कल में नई जागृति और नई उमंग है।"

"We cannot change the past; we can only understand it. However, we can not only understand but also change the time to come. The past contains only regret and repentance while the future is full of new awakening and new enthusiasm."

"जो बड़ों को आदर देना और छोटों से प्यार करना जानता है जो हाथ जोड़कर जीना और मुस्कुराहट भरना जानता है और जिसमें अहंपन नहीं बड़प्पन है, बस वही बड़ा है।"

"One who knows how to respect elders and love the young; how to live with folded hands (gently) and with smile and who does not have any ego instead have nobility; it is such a person who is really great."

"दूसरों से आशा रखने पर कभी पूरी हो या न हो पर जो खुद पर आशा रखते हैं वो अवश्य ही पूरी होती है तभी तो आशावादी को हर कठिनाई में मौका दिखाई देता है लेकिन निराशावादी को हर मौके में कठिनाई दिखाई देती है।"

"Expectations from others may or may not be fulfilled, but those who expects from themselves definitely get fulfilled. That is why an opportunist see an opportunity in every difficulty but the pessimist sees only difficulty in every opportunity."

“जहान में इंसान ही एक ऐसा प्राणी है जो उठना चाहे तो इतना ऊँचा उठ जाये कि इन्द्र देव भी उतना न उठ पायें और गिरना चाहे तो इतना नीचे गिर जाये कि जानवर भी उतना नीचे न गिर पाये।”

“Human is the only creature in the world who, if he wants, can rise so high that even celestial beings cannot rise that much and if he wants to fall down, he can fall so low that even animals cannot.”

श्री महावीर स्वामी जी

श्रीस्वर्णगिरि-श्रमणगिरिपर्वत

"दुनियाँ में इंसान भी क्या अजीब काम करता है जिसे अगले जन्म में साथ लेकर जाना है (पुण्य) उसे छोड़े जा रहा है और जो रंच मात्र भी साथ नहीं जाता (धन) उसे जोड़े जा रहा है। अज्ञान की भी हद हो गई इसे ना जोड़ना आ पाया और ना छोड़ना ही आ पाया।"

"How strangely a human being behaves? He leaves behind what accompanies him to his next birth and what does not accompany him even a bit, he is accumulating. How is such a limit of ignorance that he could neither learn how to accumulate and how to abandon."

"अच्छी बात करना आसान है अच्छाईयाँ देखना है मुश्किल, अच्छा उपदेश देना आसान है अच्छा अनुकरण करना है मुश्किल, अच्छा सुनना आसान है अच्छा सोचना है मुश्किल और अच्छा दिखना आसान है मगर अच्छा होना है सबसे मुश्किल।"

"It is easy to talk good; it is difficult to see goodness; it is equally difficult to follow good; it is easy to listen to good; it is difficult to think good. In the same way it is easy to look good but it is toughest to be being good."

"सपना एक देखोगे लेकिन मुश्किलें हजार आयेंगी पर वह मंजर बड़ा खूबसूरत होगा जब आपकी कामयाबी शोर मचायेगी।"

"Seeing a dream surrounds you with thousands of difficulties. How beautiful will be scenario when your success spreads its wings."

"जिन्दगी में कठिनाइयाँ आयें तो उदास मत होना क्योंकि कठिन रोल हमेशा अच्छे हीरो को ही दिये जाते हैं, याद रखिये जिंदगी खुशहाल होती नहीं है, उसे खुशहाल बनाना पड़ता है ध्यान रहे रसगुल्ले कभी बने हुए नहीं आते उन्हें बनाना ही पड़ता है।"

"If difficulties come in life, do not be disheartened because difficult roles are always offered to good heroes (actors). Remember that life in itself is not happy, it has to be filled with happiness. Keep in mind that rasgullas are not already come prepared, they have to be prepared."

"जो नसीब में लिखा था उसे पाया तो क्या पाया? वो तो मिलना ही था। जो नसीब में नहीं है उसे पाया तो समझो हमने कुछ विशेष पाया। जो आसानी से मिल जाये उसकी चाहत किसे है जिद तो उसे पाने की है जो नसीब में लिखा ही नहीं है।"

"What did you get if you got what was destined? You get something special when you get which is not destined. Who has a desire to get what is easily accessible? The stubbornness is to get what is not even written in the luck."

"खुद को वश में करो तो खुदा भी वश में होता है और खुदा वश में हो तो सारी दुनियाँ वश में हो जाती है अत: किसी को वश में न करो, खुद को वश में करो।"

"If you restrain the self, God is also restrained and if God is in your spell, then the entire world falls under your spell. Therefore, do not enslave other, get restrained yourself."

"पहिचान से मिला काम थोड़े समय के लिए ही होता है लेकिन काम से मिली पहिचान पूरी जिंदगी तक ही नहीं मरने के बाद भी रहती है अत: अपने जीवन में कोई न कोई एक काम ऐसा करो जिससे तुम्हारी पहिचान बन सके।"

"The work obtained through recommendation is only for a short while but the fame earned from the work lasts for the whole life, even after the life. Therefore, do at least one thing in your life in such a way that you can establish your identity for ever."

“बुराई को बुराई से नहीं अच्छाई से जीता या ढका जा सकता है क्योंकि बदबू को कम करने के लिए सुगंधित अगरबत्ती या इत्र का ही प्रयोग किया जाता है।”

“Evil can be conquered by good and not by evil. Only fragrance can reduce stench.”

"लोगों की बातों को कभी दिल पर न लीजिये, लोगों को क्या लोग तो अमरूद भी खरीदते हैं ये पूछकर कि मीठे हैं न और फिर नमक लगा–लगाकर खाते हैं अतः खुश रहिये बिंदास रहिये, हमेशा मुस्कुराते रहिये कभी अपने लिये कभी अपनों के लिए।"

"Never take people's words to your heart. What to say about them- they buy guavas only after asking whether they are sweet and later eat them with salt. Be happy, stay calm, always keep smiling- sometimes for yourselves and sometimes for your loved ones."

"विनम्रता में आदमी फूलता नहीं लेकिन फैलता बहुत है और अहंकार में फूल भले ही जाये पर फैल नहीं सकता।"

"In humility a person does not flower but spreads a lot, and in egoism the flower may go, but it cannot spread."

"इंसानियत के साथ अपने अंदर देवत्व भी घटित होना चाहिये देवता वे नहीं जिन्होंने देवों की नगरी में अपना घर बनाया है, बल्कि देवता वे हैं जिन्होंने घर को ही देवों की नगरी बनाया है। स्वर्ग में देव बनने से पहले घर के देव बनकर घर को स्वर्ग बनाओ।"

"Divinity should also happen within you along with humanity. The divine ones are not those who dwell in the city of divines. Before becoming the heavenly divine being make your own home as heaven becoming a divine being."

"दुनियाँ में सभी अच्छे बनने के प्रयास में हैं, आप अच्छा बनने की बजाय सरल बनिये क्योंकि अच्छा तो सिर्फ आँखों तक ही सीमित होता है लेकिन सरल आँखों को पार करता हुआ दिल तक पहुँचता है।"

"Everyone in this world is trying to be good. Instead of becoming good, try to become simple. It is because good is confined only to the eyes, but simple reaches to the hearts crossing the eyes."

"प्रयास करो मगर महान बनने का नहीं अपितु एक अच्छे इंसान बनने का क्योंकि जहाँ एक अच्छे इंसान का निर्माण होता है वहीं से महान बनना प्रारंभ हो जाता है इसलिये पहले विशिष्ट नहीं शिष्ट बनें।"

"Try not to become great, but to become a good human being, because from where a good human being emerges, greatness starts to take place. Therefore, first be polite, not special."

"हमारी इच्छाएँ जीवित हों और प्राण निकल जायें तो मौत है और इच्छाएँ मर जायें और हम जीवित रहें तो वह मोक्ष है। हमारे अंदर मौत भी है और मोक्ष भी चयन अपना अपना पसंद अपनी-अपनी।"

"If our desires are alive and life is lost, it is death and if our desires are dead and the life remains, it is salvation. Both death and salvation exist within us. It is the matter of our choice whether we choose death or salvation."

"हमेशा टूटने का मतलब खत्म होना नहीं होता, कभी-कभी टूटने के बाद ही सही जिंदगी की शुरुआत होती है कभी कोई टूटकर बिखर जाता है तो कभी कोई टूटकर निखर जाता है कभी टूटने पर आत्महत्या हाथ लगती है तो कभी आत्म विश्वास।"

"Breaking up always doesn't mean ending, sometimes it is the beginning of life right after it. Sometimes someone breaks down and sometimes someone shines up. Sometimes breaking down lead to suicide while sometimes it leads to self-confidence."

"राहगीर बैठ जाता है धूप ढल जाने की आस में, डरपोक डर जाता है हार जाने की आस में, रात कट जाती है सुबह आने की आस में लेकिन मुक्ति का पथिक निरंतर आगे बढ़ता जाता है मंजिल पाने की आस में।"

"The passerby sits in the hope of the Sun setting; the coward becomes fearful expecting defeat; the night passes in the hope of dawn. However, the wanderer in search of salvation continues to go ahead to attain his destination."

"प्रसन्न रहने के लिए किसी गुण सम्पन्न व्यक्ति की प्रशंसा करना बहुत जरूरी है क्योंकि प्रशंसा, प्रसन्नता की जननी है और प्रसन्नता गुरु भक्ति का गिफ्ट है।"

"To be happy, It is very important to praise a person of merit, because praise is the mother of happiness and happiness is the gift of devotion to the preceptor."

"बड़े लोग भले ही सबको दिखाई न दें पर वे बहुत कुछ दिखा देते हैं ईश्वर भले ही न दिखे पर वह सारी दुनियाँ दिखा देता है वैसे ही वक्त भले ही न दिखे पर वक्त ही वक्त पर, कौन अपना है कौन नहीं सब कुछ दिखा देता है।"

"Great people may not be visible to all, but they show a lot. In the same way, God may not be visible, but He shows the entire world to all. Likewise, time may not be visible but it helps in pointing out who is yours and who is not."

"आँखों की विचित्रता तो देखो,
आ जाये तो दुःखी, चली जाए तो दुःखी,
झुक जाये तो दुःखी, मुँद जाये तो दुःखी,
उठ जाये तो भी दुःखी।"

"Look at the strangeness of eyes, if it comes (conjunctivitis), makes one sad; if it goes (losing sight), makes one sad; if turns blind, makes one sad; if it closes down, leaves one dead."

"पत्थर उसी पेड़ पर मारे जाते हैं जिस पर फल लगे होते हैं, सूखे पेड़ों पर नहीं वैसे ही आलोचना उनकी ही होती है जिनमें गुण होते हैं, पेड़ और गुणी एक समान हैं दोनों ही पत्थर व आलोचना की प्रतिक्रिया नहीं देते क्योंकि आलोचना ही स्वयं को साबित करने का एक अवसर है।"

"Stones are pelted on the trees which are laden with fruits, and not on the barren tree. In the same manner, only those people are criticized who bear virtues. The trees and the meritorious people are alike. Both do not react to stones and criticism because criticism itself is an opportunity to prove one's worth."

महल

"जो कुछ कर-गुजरने के लिए जी-जान से तत्पर होते हैं अवसर सिर्फ उनके लिए ही होते हैं। ऐसे लोग ही सफल होते हैं आलसियों के लिए ना ही अवसर आते हैं और ना ही वो कभी सफल हो पाते हैं।"

"Opportunities are only for those who are prepared to do whatever they could. Only such people get success. Lazy people get neither opportunities nor success."

"जीवन में अच्छी आदतें तभी आती हैं जब बुरी आदतों को गुलाम बनाया जाये यदि हम बुरी आदतों को गुलाम न बना पाये तो ये आदतें हमें अपना गुलाम बना देंगी और अंत में हम जरजर हो जाते हैं पर आदतें जरा भी जर-जर नहीं होतीं।"

"Good habits occur only when bad habits are enslaved. If we are not able to enslave bad habits, they will enslave us. Ultimately, we become shabby but the bad habits never get shabby."

"अगर आप खुद को अकेला समझ रहे हैं और अकेले होकर भी अपना अकेलापन मिटाना चाहते हैं तो आप खुद से ही बात करना शुरु कर दें, फिर कभी भी आप अकेले नहीं रह पायेंगे।"

"If you are thinking yourself lonely and want to get rid of your loneliness, then start talking to yourself, you will never feel lonely then."

"अगर आपको कोई अच्छा लगता है तो अच्छा वो नहीं है बल्कि आप ही हो क्योंकि आपने किसी में अच्छाई देखी है नजर खराब नहीं होती, अच्छी भी नहीं होती देखने का नजरिया अच्छा-बुरा होता है, अच्छे हम तभी होते हैं, जब हम सभी में अच्छाई देखें।"

"If someone seems good to you, then it is not who is good, it is you who sees goodness in other. The eyesight is neither good or bad, it is the attitude of seeing which makes it good or bad. We are good only when we see good in all."

"**आ**पको चाँद तक जाने के लिए सितारों को तोड़कर लाने के सपने नहीं देखना चाहिये बल्कि आपको ऐसा बनना चाहिये कि लोग आपको ही चाँद–सितारें समझने लगें और आपको पाने के लिये या सुनने के लिये लालायित रहें।"

"You should not dream of plucking the stars to reach the moon. However, you should become such that people start thinking of you as the moon or the star and long for getting you or listening to you."

"**व्य**क्ति जब दुनियाँ में आता है तो खाली हाथ आता है उसके पास खोने के लिये कुछ भी नहीं होता पर पाने के लिये और अपना बनाने के लिये सारी दुनियाँ होती है पर ये तभी संभव है जब आप किसी का भी दिल न दुखायें और सभी को दिल से अपना बनायें।"

"A person comes into this world empty handed, he has nothing to lose, but he has the entire world to get and to adapt. It is possible only when you never hurt the feelings of other and adapt all at your heart."

"मुस्कुराहट के पीछे का दु:ख, गुस्से के पीछे का प्रेम, चुप रहने के पीछे की वजह जो आप के अंदर की ये तीन बातें जान सके उस इंसान पर भरोसा करो, भरोसा करने योग्य वही हो सकता है जो आपकी उन्नति देखकर खुश हो और गिरता देखकर वो अपना सहारा दे दे।"

"The sadness behind the smile; the love behind the anger; the reason behind being silent – trust the one who can know these three things inside you. The trustable can be who gets glad to see your progress and supports you when sees you falling."

"अच्छे दोस्त कभी मत खोना क्योंकि अच्छे दोस्त उन सितारों की तरह होते हैं जो भले ही रौशनी में दिखाई न दें पर मुश्किल हालातों में हमेंशा साथ देते हैं। गुरु और प्रभु से अच्छे दोस्त कोई हो ही नहीं सकते।"

"Never lose good friends because good friends are like those stars which are not visible in bright light but always support you in your difficult times and situations. No one can be as good friends as your God and the preceptor."

"स्वयं के प्रति प्रशंसात्मक वचनों को गुरुशंसा (गुरु के प्रति) में लगा लेना ही अपने गुरु के प्रति समर्पण की अनूठी कला है।"

"The unique art of surrendering to one's Guru is to attach praiseworthy words towards oneself towards the Guru."

"गुरु द्वार हमारे उद्धार का द्वार है। क्योंकि जब संसार के सारे द्वार बंद मिलते हैं तब एक द्वार हमेशा खुला मिलता है, वह है गुरु द्वार।"

"Guru is the door our solvation because when all door of the world are found closed, thereone door always found open, that is by the Guru."

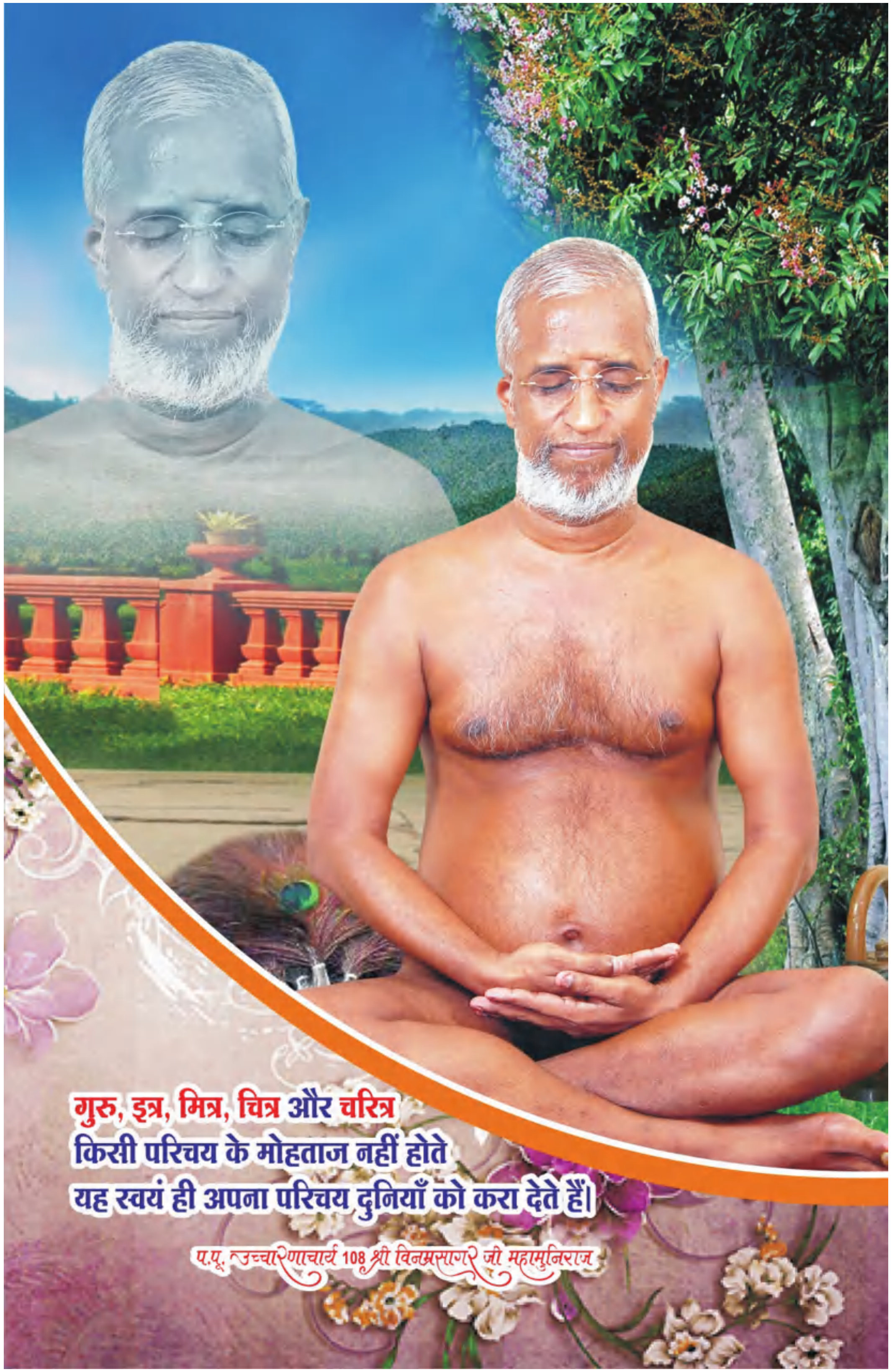
गुरु, इत्र, मित्र, चित्र और चरित्र
किसी परिचय के मोहताज नहीं होते
यह स्वयं ही अपना परिचय दुनियाँ को करा देते हैं।
प.पू. उच्चारणाचार्य 108 श्री विनम्रसागर जी महामुनिराज